

प्रार्थना पत्र के अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.एक्ट
तुलेराम बनाम घन्नाराम व अन्य प्रतिवादी गण

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
<p>21 आज यह प्रार्थना पत्र के अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.एक्ट वास्ते अस्थाई निषेधाज्ञा वकील प्रार्थी ने दावे के साथ पेश किया। दावा वो प्रार्थना पत्र को पढ़ा गया। वकील वादी/प्रार्थी को एक पक्षीय सुना गया। बहस वकील प्रार्थी वो प्रार्थना पत्र के साथ सलग्न दस्तावेजात वो शपथ पत्र प्रार्थी से प्रार्थी का प्रथम दृष्टया मामला प्रतीत होता है। सुकिया सन्तुलन प्रार्थी के पक्ष में है नापूर्ति क्षति भी प्रार्थी को ही है।</p> <p>अतः अप्रार्थीगण को जयें अस्थाई निषेधाज्ञा दिनांक 03.03.2021 तक इस अमर से पाबन्द किया जाता है कि अप्रार्थीगण/प्रतीवादी वर्णित आराजी खसरा संख्या 34/1217 रकबा 0.3000 है, 45 रकबा 3.8000 है, 49 रकबा 0.6400 है, 97 रकबा 0.3300 है। उक्त समस्त खसरा नं० में से वादी का 1/4 भाग स्थित वाके ग्राम तरवाला तहसील किशनगढबास जिला अलवर राजस्थान मे रिकार्ड एवं मौके की यथास्थिति बनाये रखने हेतु एवं समस्त प्रतिवादी गण कब्जा काश्त दखल नहीं करे।</p> <p>तथा क्योना यह आज्ञा ताफैसला दावा स्थाई कर दी जावे जो भी आपत्ति हो हाजिर अदालत होकर उत्तर पेश करे, वकील प्रार्थी इस अमर का रजिस्टर्ड ए.डी. तलवाना पेश करे। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर होकर दिनांक 03.03.2021 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">उप जिला कलेक्टर किशनगढबास(अलवर) किशनगढ-बास (अलवर)</p> <p>23/3/21 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बायर्स प्यारे हैं। उभयपक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक 23/3/21 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">रीडर</p>	

<p>22/3/21 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बायर्स प्यारे हैं। उभयपक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक 26/4/21 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">रीडर</p> <p>26/4/21 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बायर्स प्यारे हैं। उभयपक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक 5/7/21</p>	
---	--

1.22 वकील प्रार्थी उप. वास्ते जवाब अप्रार्थी सं. 1, 2, 3
इंतजार तामील शेष प्रतिवादीगण दिनांक
22.11.22 को पेश हों।

5/2/22...पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब को (रोज)
अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं।
उभयपदा के अभि.उप. आयन्दा दिनांक 6-2-22
को पेश हो।

रीडर

6-2-22 वकील पत्रकार उपण। वास्ते जवाब इंतजार
लगील दिनांक 5-10-21 को पेश हो।

5-10-21 वकील पत्रकार उपण। पी.ओ. साहब को
मै व्यस्त है। दिनांक 9-11-21 को पेश हो।

9-11-21...पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब
अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं।
उभयपदा के अभि.उप. आयन्दा दिनांक 11-01-22
को पेश हो।

रीडर

11-1-22 वकील पत्रकार उपण। वास्ते जवाब स्प इंतजार लगी
श्री प्रतिकीर्ण दिनांक 01-2-22 को पेश हो।

01-2-22 वकील पत्रकार उपण। वास्ते जवाब स्प इंतजार लगी
श्री प्रतिकीर्ण दिनांक 7-3-22 को पेश हो।

7-3-22...पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब
अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं।
उभयपदा के अभि.उप. आयन्दा दिनांक 14-3-22
को पेश हो।

रीडर

याचालय उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़-बास (अलवर)

हुकम या कार्यवाही मय हनिशियल जज

14-3-22

वकील पद्मकारान उप०। वास्ते जवाब एवं इंतजार तामील आमरण दिनांक 12-4-22 को पेश हों।

12-4-22

वकील पद्मकारान उप०। वास्ते जवाब एवं इंतजार तामील दिनांक 7-6-22 को पेश हों।

7-6-22

पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब स्थानांतरण अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं। उभयपक्ष के अभि.उप. आयुक्त दिनांक... 19-7-22 को पेश हो।

g

शेखर

वकील पद्मकारान उप०। वास्ते जवाब एवं इंतजार तामील शेष प्रतिवादीगण दिनांक 2-8-22 को पेश हों।

वकील प्रार्थी उप०। वास्ते जवाब एवं इंतजार तामील शेष अप्रार्थीगण दिनांक 8-8-22 को पेश हों।

वकील प्रार्थी उप०। वास्ते जवाब एवं इंतजार तामील 22-8-22 को पेश हों।

वकील प्रार्थी उप०। वास्ते जवाब अप्रार्थी सं. 1, 2, 3 व तामील शेष प्रतिवादीगण दिनांक 13-9-22 को पेश हों।

वकील प्रार्थी उप०। वास्ते जवाब अप्रार्थी सं. 1, 2, 3 व इंतजार तामील शेष प्रतिवादीगण दिनांक 27-9-22 को पेश हों।

वकील प्रार्थी उप०। वास्ते जवाब अप्रार्थी सं. 1, 2, 3 इंतजार तामील शेष प्रतिवादीगण दिनांक 22.11.22 को पेश हों।

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़-बास (अत)

दिनांक	हुकम या कार्यवाही मय हनिशियल जज
22-11-22	वकील अर्थात् उप०। वाले जवाब एवं तबकी बेष अर्थात् दिनांक 13-12-22 की पेशगी ✍
13-12-22	वकील अर्थात् उप०। वाले जवाब एवं तबकी बेष अर्थात् दिनांक 03-1-23 की पेशगी ✍
03-01-23	पत्रवली पर इन्ही वारी का मुहवादा अदम चणरी अदम चणरी मै खारिज है चुकी है। अतः प्रार्थना पर 212 R.A.B.G की अदम चणरी मै खारिज किया जाता है अतः प्रार्थना पर फरिद सुमार होकर सवाक मुहवादा रहे। ✍